गुजरात में सुखी नदी सिंचाई योजना

2566. **श्री अमर सिंह राठवा** : क्या **कृषि और सिंचाई** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गुजरात में वडोधारा जिले मे सुखी नदी सिंचाई योजना के अन्तर्गत कितने एकड भूमि की सिंचाई होगी ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : सुखी सिंचाई परियोजना योजना आयोग द्वारा फरवरी, 1977 में अनुमोदित की गई है । प्रारम्भिक कार्य शुरू किये जा चुके हैं और आशा है कि यदि पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो गई तो इस परियोजना का काफी काम अगले पांच वर्षों में पूरा हो जाएगा । इस परियोजना के पूरा हो जाने पर प्रति वर्ष 21246 हक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई उपलब्ध हो सकेगी ।

Ratio of Women to Men

2567. SHRI DHARAM VIR VASISHT: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a recent Report of the Indian Council of Social Research that the ratio of women to men has declined in the years of Independence not only population-wise, but also in the work force too; and

(b) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (SHRIMATI RENUKA DEVI BARKATAKI): (a) Yes, Sir.

(b) The report has been sent to all State Governments/Union Territories and concerned Central Ministries to utilise the suggestions in it appropriately while formulating their respective plans.

विश्वविद्यालयों में हिन्दी तथा संस्कृत का विकास

2568. **श्री दया राम शाक्य** : क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अन्य भाषाओं की तुलना में हिन्दी और संस्कृत का विश्वविद्यालयों में विकास नहीं हो रहा है; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या हिन्दी और संस्कृत को दूसरी भाषाओं, विशेषकर अंग्रेजी के माध्यम से विकसित किया जाएगा; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा यदि कोई कार्यक्रम आरम्भ किया गया है तो उसका ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बरकटकी) : (क) से (ग). विश्वविद्यालयों में विभिन्न भाषाओं के विकास के सम्बन्ध में कोई तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया गया है । अंग्रेजी के माध्यम से हिन्दी तथा संस्कृत के विकास के सम्बन्ध में सरकार, क्रमश: केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय तथा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के माध्यम से पत्राचार पाठ्यक्रम चला रही है । हिन्दी के मामले में, तमिल को भी माध्यम के रूप में अपना लिया गया है और धीरे-धीरे अन्य भाषाओं को भी सम्मिलित करने का प्रस्ताव है ।